07

डायन: एक अंधविश्वास

रचनाकार/कवि का परिचय : डॉ. दीनानाथ सिंह, जन्म – 31.12.1937 ई0 को मुंगेर, बिहार में। **सम्मान** – निराला सम्मान, दिनकर सम्मान, मैथिलीशरण गुप्त सम्मान। **प्रमुख रचनाएँ** – कविता : समय अजन्मा है, गाँव से चिट्ठी आई है। कामायनी का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन।

अधिगम प्रतिफल :

- ❖ विभिन्न संवेदनशील विषयों जैसे, डायन प्रथा, जाति, धर्म, लिंग भेद, रीति रिवाजों से जुड़े अंधविश्वासों के प्रति सोचने विचारने का नजरिया बदलता है और बच्चे इन सभी मुद्दों पर आधारित प्रश्न करके न सिर्फ जिज्ञासा शान्त करते हैं बल्कि जागरूकता भी फैलाते हैं।
- ❖ इस संवेदनशील विषय पर आधारित कविता को पढ़कर समझकर ऐसे ही अन्य विषयों पर चर्चा में भाग लेते हैं। सृजनात्मक लेखन भी कर पाते हैं।
- ❖ इस कविता के माध्यम से स्त्रियों के प्रति सोच को शुद्ध किया गया है इसलिए बच्चे इस तरह की सामाजिक बुराईयों को दूर करने के लिए सोचने योग्य बनते हैं।
- ❖ अपनी किसी बात को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने लायक बनते हैं।

पाठ का परिचय– प्रस्तुत कविता डॉ. दीनानाथ सिंह द्वारा समाज में फैले डायन प्रथा जैसे अंधविश्वास पर चोट करती है। कविता में यह बताया गया है कि– एक नारी को डायन कहकर उस पर अनेक तरह के अत्याचार करना नैतिक रूप से गलत है और अपराध भी है। इस कविता द्वारा इस तरह के कुप्रथाओं, अंधविश्वासों से बहार निकलकर स्त्रियों के प्रति सम्मान बढ़ाने की बात की गई है।

भाव संक्षेप–

''डायन : एक अंधविश्वास'' हमारी कक्षा आठ की हिन्दी पाठ्यपुस्तक भाषा – मंजरी में संकलित कविता है जिसमें कवि डॉ. दीनानाथ सिंह ने समाज में फैले डायन प्रथा के अंधविश्वास पर गहरी चोट की है।

© JCERT not to be republished

बच्चों के साथ ही पूरे समाज को इस प्रश्न पर संवेदनशील होकर विचार करने, जागरूकता लाने और इस कुत्सित प्रथा का अन्त कर, समाज में स्त्री चाहे परिवार के साथ हो या अकेली असहाय, हर हाल में उनका सम्मान करना चाहिए पर जोर देती है।

हमारे राज्य झारखण्ड में भी ग्रामीण समाज में डायन रूपी अंधविश्वास फैला है जिसे दूर करना आवश्यक है। डायन शब्द समाज में प्रचलित उस प्रत्येक महिला पर किया गया कुत्सित अपराध है। समाज में एक बूढ़ी औरत जो विधवा है उसका पुत्र मर चुका है। जवानी में ही विधवा होने, नवजात शिशु की मृत्यु और सखी–सहेलियों का न रहना, पति के मृत्यु के बाद मजदूरी करने की विवशता है उस स्त्री के पास। मजदूरी करके इतनी थक जाती है कि उसके गाल चिपक गए हैं, आँखे झुक गई हैं, कमर टेढ़ी हो गई है, दाँत टूट गए हैं, बाल पक गए हैं। वृद्धा होने और शरीर के इस स्थिति में पहूँचने से अब वह मजदूरी नहीं कर पा रही है वह अब भीख माँग कर गुजारा कर रही है लेकिन सबसे दूख की बात है बच्चे उसे देखकर डरने लगे हैं, बड़े उससे दूर हटने लगे हैं। किसी की गाँव में मृत्यु होने पर, किसी के बीमार होने पर डायन कहकर सभी इल्जाम उस पर लाद दिए जाते हैं। जितने लोग हैं उतने ही तरह की मनगढंत बातें बेचारी विधवा औरत के लिए बोली जाती है। उसने पति और बेटे की मृत्यु के बाद ईमानदारी से ही मजदूरी कर पेट पाला है लेकिन उसका ऐसा प्रतिफल पाकर वह बूढ़ी औरत दुःखी है, मर्माहत है लेकिन सब जानकर भी कुछ बोल नहीं पाती हैं।

हम लोग 21वीं शताब्दी में हैं जहाँ विज्ञान, वैज्ञानिक आविष्कार हो रहे हैं। हमारा भारत देश ज्ञान–. विज्ञान में अग्रणी रहा है लेकिन इस भारत में 'डायन' जैसी अंधविश्वास ने महिला का अपमान किया है। कवि कहते हैं 'डायन' शब्द न तो कानून की किताब में अपना अस्तित्व रखता है और न ही इसका जिक्र चिकित्साशास्त्र में है। कवि अपने कविता के द्वारा समाज के हर स्त्री, पुरूष से आग्रह करता है कि– इस अंधविश्वास को समाज से निकाल फेंकना चाहिए। इसके लिए महिलाओं के प्रति अपनी सोच को विस्तृत और समृद्ध करनी होगी अपने विचार शुद्ध करने होंगे। हर गाँव, हर क्षेत्र की हर बूढ़ी औरत को उसका सम्मान दिलाना होगा, जिसे डायन कहा जाता रहा है।

पद्यांश की व्याख्या 1

"गाँव के पूरब
बाँसों की झुरमुट के बीच
बनी है एक
कुटिया
उसमें रहती है एक बुढ़िया।"
वह विधवा है

निपूती है

जवानी में मर गए थे उसके पति

तब गोद का बालक मरा था।

रह गई वह अकेली

कोई नहीं उसकी सहेली

वह थी एक मजदूर की औरत

करने लगी मजदूरी

यह भी उसकी मजबूरीं

भावार्थ –

कवि डॉ. दीनानाथ सिंह ने कविता 'डायन : एक अंधविश्वास' में 'डायन' के रूप में फैले अंधविश्वास पर चोट की है, गाँव के पूर्वी छोर पर बाँस के झुरमुटों के बीच एक बूढ़िया रहती है। वह विधवा है। उसके पति की मृत्यु उसके जवानी के दिनों को ही हो गई थी। उसका नवजात बेटा भी मर गया था। अब वह बूढ़ी औरत अकेली रह गई है। उस औरत की कोई सखी–सहेली भी नहीं है। मजदूर पति की मृत्यु के बाद वह अपना गुजारा चलाने के लिए मजबूर होकर मजदूरी करती है।

© JCERT not to be republished

वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर दें:–

1. बुढ़िया की कुटिया किसके झुरमुट में बनी है?

(क) बाँस (ख) पीपल

(ग) कैक्टस (घ) अमरूद

2. 'बाँसों की झुरमुट के बीच

बनी है एक कुटिया

उसमें रहती है बुढ़िया।''

ये पंक्तियाँ किस पाठ से ली गई है?

(क) अमरूद का पेड़ (ख) अशोक का शस्त्र त्याग

(ग) बूढ़ी पृथ्वी का दुख (घ) डायन : एक अंधविश्वास

3. 'डायन एक अंधविश्वास' हिन्दी साहित्य की कौन सी विद्या है?

(क) कविता (ख) निबंध

(ग) कहानी (घ) संस्मरण

4. 'डायन : एक अंधविश्वास' के रचयिता कौन हैं?

(क) डॉ. हरिवंशराय बच्चन (ख) तुलसीदास

(ग) निर्मला पुतुल (घ) डॉ. दीनानाथ सिंह

5. डायन प्रथा किस बात का सूचक है?

(क) सामाजिक प्रगति (ख) सामाजिक कुप्रथा

(ग) अंधविश्वास (घ) 'ख' और 'ग' दोनों

6. **लिंग बदलें**

(क) औरत – ....

(ख) बूढ़ी – ....

(ग) पति – ....

(घ) मजदूर – ....

(ङ) पुत्र – ....

पद्यांश की व्याख्या 2

" थक गया तन–मन

झुक गए नयन

© JCERT not to be republished

कमर हो गई टेढ़ी
टूट गए दाँत
पक गए बाल
चिपट गए गाल
वह बन गई कंकाल।
डरने लगे बच्चे
वह माँगने लगी भीख
देख कर हट जाते थे लोग
पचहत्तर बरस की हो गई थी वह
चलने–फिरने में लाचार
नहीं कर पाती थी मजदूरी
मगर बाहर निकलने की मजबूरी।"

भावार्थ –

कवि कहते हैं कि अब उस बूढ़ी औरत का तन मन मजदूरी करते–करते थक चुकी है। उसकी आँखे झुक गई हैं। कमर टेढ़ी हो गई हैं। उसके दाँत टूट गए हैं, बाल पक गए हैं गाल चिपक गए हैं। उसका शरीर कमजोर होकर हड्डियों का ढाँचा सा दिखता है। उससे अब बच्चे भी डरने लगे हैं तथा वह भीख माँगने लगी। उसकी उम्र पचहत्तर (75) वर्ष की हो चली है इसलिए अब वह मजदूरी नहीं कर पाती थी। पर वह बाहर निकलने के लिए मजबूर थी।

वैकल्पिक प्रश्न

7. बुढ़िया से कौन डरने लगते थे।

(क) बच्चे (ख) बूढ़े

© JCERT not to be republished

(ग) ग्रामीण (घ) सभी

8. बुढ़िया कितने बरस में भीख माँगने को मजबूर हो गई?

(क) 60 वर्ष (ख) 70 वर्ष

(ग) 75 वर्ष (घ) 73 वर्ष

9. 75 वर्ष की उम्र में बुढ़िया का गुजारा कैसे हुआ?

(क) मजदूरी करके (ख) भीख माँगकर

(ग) दूसरों का सहारा लेकर (घ) सब्जी बिक्री करके

10. एक शब्द या एक वाक्य में उत्तर दें :–

(क) बुढ़िया के दाँत क्या हो गए थे ?

(ख) बुढ़िया के गाल कैसे हो गए थे ?

(ग) कितने बरस में बुढ़िया चलने–फिरने में लाचार हो गए ?

(घ) बुढ़िया भी लाचार मजबूर होकर क्या माँगने लग गई ?

पद्यांश की व्याख्या 3

गाँव की औरतें रहती थीं चौकन्नी
दूर से फेंकती थीं अठन्नी
वह देखो डायन आ रही है
भाग चलो दूसरे रास्ते से।
मोहन के बेटे को इसी ने मारा था
सोहन की गाय भी मर गई थी
किसी को किसी तरह का होता था रोग

© JCERT not to be republished

सब उसे ही देते थे दोष

उसका इतिहास दुहराते थे

उसने पति को भी मारा

पुत्र को मारा

भावार्थ –

गाँव की औरतें उससे सावधान रहने लगी और भीख में दिये जाने वाले अठन्नी यानि 50 पैसे के सिक्के दूर से ही उछाल कर फेंकती थी उसकी ओर। गाँव में सभी उसको देखते ही रास्ता बदलने लगते कि देखो डायन आ रही हैं गाँव घर में कोई मरता या कोई बीमार होता तो गाँव के लोग उसका दोष भी इसी बुढ़िया के ऊपर डाल देते। बुढ़िया को उलाहने सुनने पड़ते थे कि यह डायन है इसने तो अपने पति और नवजात बच्चे को ही खा लिया है।

वैकल्पिक प्रश्न

11. बुढ़िया के बारे में क्या फैली हुई थी ?

(क) कहानियाँ (ख) प्रशंसा भरी बातें

(ग) अच्छी बातें (घ) इनमें से सभी

12. पति की मृत्यु के बाद बुढ़िया ने दूसरा विवाह किया या नहीं ?

(क) विवाह किया (ख) विवाह नहीं किया

(ग) नैहर चली गई (घ) आश्रम चली गई।

13. पति के देहांत के बाद बुढ़िया कहाँ रह रही थी ?

(क) नैहर (ख) ससुराल

(ग) वृद्धा आश्रम (घ) इनमें से सभी

© JCERT not to be republished

14. दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखें :—

हाथ, मुख, डर, नैहर, ससुराल

पद्यांश की व्याख्या 4

" कैसे हैं गाँव के लोग ?

पढ़े लिखे लोग।

ज्ञानी विज्ञानी

पर हैं कितने अज्ञानी!

सभी करते हैं विश्वास

भूत, प्रेत और डायन में!

आए दिन मारी जाती हैं औरतें

डायन के नाम पर

उन्हें निर्वस्त्र किया जाता है

किया जाता है अपमानित

कभी आग में जिंदा जलाया जाता है। "

भावार्थ —

कवि कहता है कि आखिर गाँव के लोग कैसे हैं? सभी पढ़े—लिखे , ज्ञान विज्ञान के ज्ञाता हैं लेकिन अंधविश्वास पाल कर रखते हैं यानि घोर अज्ञानी हैं। इनका अंधविश्वास और डायन, भूत—प्रेत के नाम पर कितनी ही निर्दोष महिलाओं पर किया गया शोषण और अत्याचार इनके पढ़े—लिखे होने पर प्रश्न चिह्न छोड़ता हैं डायन के नाम पर निर्दोष महिलाओं को निर्वस्त्र कर अपमानित, बहिष्कृत किया जाता है। हमारे राज्य झारखण्ड में भी निःसहाय, परित्यक्ता, एकाकी महिला के ऊपर डायन का लांक्षण लगा कर मैला तक पिलाया जाता रहा है और ये सभी कार्य ज्ञानियों के द्वारा किया जाता रहा है।

© JCERT not to be republished

वैकल्पिक प्रश्न

15. कवि के अनुसार गाँव के लोग कैसे हैं?

(क) ज्ञानी (ख) विज्ञानी

(ग) अज्ञानी (घ) ये सभी

16. गाँव वालों को किस बात का अंधविश्वास है?

(क) भूत (ख) प्रेत

(ग) डायन (घ) सभी पर

17. पढ़े–लिखे ज्ञानी लोगों द्वारा अंधविश्वास में पड़कर एकाकी महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार किया गया? कविता की पंक्तियों के संदर्भ में उत्तर दें :–

(क) निर्वस्त्र किया जाता है।

(ख) अपमानित किया जाता है।

(ग) आग में जिंदा जलाया जाता है।

(घ) उपर्युक्त सभी बातें की जाती हैं।

18. कवि ने पढ़े–लिखे, ज्ञानी, विज्ञानी गाँव के लोगों को अज्ञानी क्यों कहा है ? विद्यार्थी अपने शब्दों में लिखें ?

पद्यांश की व्याख्या 5

''आश्चर्य ! इक्कीसवीं शवाब्दी की इस सोच को

आश्चर्य ! कब आएगा परिवर्त्तन ?

एक औरत है डायन

वह डायन नहीं, एक औरत है।

© JCERT not to be republished

वह माँ है बहन है।

जब आएगें ऐसे विचार

तभी धुलेगा समाज का कलंक।

कानून की किसी किताब में डायन का अस्तित्व नहीं

चिकित्साशास्त्र में इसका उल्लेख नहीं

अंधविश्वासों ने बना रखा है इसे

समाज से इस शब्द को बहिष्कृत कर देना है

अपनी सोच को परिष्कृत कर देना है

उस बूढ़ी को सम्मान देना है।

भावार्थ –

कवि कहता है कि– यह घोर आश्चर्य की बात है कि आज हम लोग 21 वीं शताब्दी में जी रहे हैं फिर भी एक औरत को औरत की तरह मान–सम्मान न देकर उसकी मजबूरी, बेबसी को देखते हुए भी हमलोग उसे डायन कह रहे हैं। कवि कहते हैं कि ये परिवर्तन कब होगा क्या एक औरत डायन है? नहीं वह सिर्फ औरत है। एक माँ, एक बहन है। समाज में विचार क्रान्ति लाने से ही समाज से इस तरह का कलंक धुलेगा। उनका कहना है कि काननू की किसी भी किताब में डायन शब्द का कहीं भी उल्लेख नहीं है। इस शब्द का चिकित्साशास्त्र में भी अस्तित्व नहीं है। इस शब्द और इस प्रथा को अंधविश्वास ने बना रखा हैं अब हमें इस समाज से इस शब्द को बहिष्कृत कर देना चाहिए। अब हमें अपनी सोच को ही शुद्ध करना है। प्रत्येक उस बूढ़ी औरत को सम्मान दिलाना है, जिसे डायन कहा गया है।

शब्दार्थ –

झुरमुट – घनी झाड़ियों या पेड़ों से घिरी जगह,

निपूती – बिना संतान के,

कंकाल – शरीर का हड्डी का ढाँचा,

सधवा – जिसका पति जीवित हो,

© JCERT not to be republished

अस्तित्व	–	मौजूदगी, विद्यमान होना
बहिष्कृत	–	बाहर करना,
परिष्कृत	–	शुद्ध करना,
चिकित्साशास्त्र	–	चिकित्सा का शास्त्र

वैकल्पिक प्रश्न

19. कवि ने इस डायन रूपी कलंक को मिटाने के लिए क्या शुद्ध करने को कहा है ?

(क) विचारों को (ख) वेशभूषा को

(ग) जीवनशैली को (घ) इनमें से सभी

20. कवि ने किन किताबों में 'डायन' शब्द के अस्तित्व में न होने की बात की है ?

(क) कानून की किताब में, (ख) चिकित्साशास्त्र के किताब में

(ग) 'क' और 'ख' दोनों में, (घ) अर्थशास्त्र की किताब में,

21. कवि ने 21 वीं शदी में स्त्रियों को क्या कहकर सम्मानित करने की बात कविता में की है–

(क) माँ (ख) बहन

(ग) औरत (घ) ये सभी

22. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें–

(क) समाज में 21 वीं शताब्दी में भी डायन रूपी अंधविश्वास क्यों फैला है? इसे कैसे दूर किया जा सकता है ?

(ख) कविता के आधार पर बुढ़िया जिसे गाँव में डायन कहकर संबोधित किया गया उसका चरित्र–चित्रण करें ?

(ग) किन परिस्थितियों में बुढ़िया भीख माँगने के लिए मजबूर हो गई?

© JCERT not to be republished

(घ) गाँव के लोग बुढ़िया को देखकर हाथ तो जोड़ते हैं लेकिन साथ ही तुरन्त उससे दुरी बनाना चाहते हैं क्यों ?

23. आशय स्पष्ट करें :—

(क) नहीं गई नैहर। ससुराल में ही वह जम गई। पर उसे मिला क्या?

(ख) ''आश्चर्य! इक्कीसवीं शताब्दी की इस सोच को

आश्चर्य! कब आएगा परिवर्त्तन ?

एक औरत है डायन,

वह डायन नहीं, एक औरत है।''

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

24. (क) हमारे झारखण्ड राज्य में डायन प्रथा प्रतिबंध अधिनियम कब से प्रभावी है ?

(ख) डायन जैसे अभिशाप को हमारे समाज से दूर करने के लिए आप क्या करेंगे? अपने विचार लिखें ?

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

25. किन कारणों से बच्चे बूढ़ी औरत से डरने लगे और वह भीख माँगने लगी?

26. गाँव के लोग अकेली औरत को डायन कहकर उसके साथ कैसा व्यवहार करते थे?

27. पाठ के आधार पर बताइए कि समाज से 'डायन' कुप्रथा को कैसे दूर किया जा सकता है?

28. बिना पारिश्रमिक लिए औरतें घरों में एवं घर से जुड़े बाहर अनेक कार्य करती हैं उनकी सूची बनाकर उनके महत्व के बारे में लिखें ?

भाषा संदर्भ

1. 'चिकित्साशस्त्र ' का अर्थ होता है — चिकित्सा का शास्त्र अर्थात् वह शास्त्र जो चिकित्सा से संबन्धित हो। ऐसे ही कुछ और शास्त्रों के नाम बताइए और ये किन विषयों से जुड़े हैं लिखिए?

© JCERT not to be republished

उत्तर– चिकित्साशास्त्र – चिकित्सा का शास्त्र

व्याकरणशास्त्र – व्याकरण का शास्त्र

खगोलशास्त्र – खगोल या अंतरिक्ष से संबंधित

नीतिशास्त्र – नीति का शास्त्र

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखें?

दोष, अज्ञानी, विधवा, सम्मान

उत्तर– दोष – **गुण**

अज्ञानी – **ज्ञानी**

विधवा – **सधवा**

सम्मान – **अपमान**

3. 'वह थी एक मजदूर औरत

करने लगी मजदूरी।'

उपर्युक्त पंक्तियों में **'मजदूर'** में ई प्रत्यय का प्रयोग करके नया शब्द **'मजदूरी'** बना है। इसी तरह कुछ शब्द दिए जा रहे हैं उनमें 'ई' प्रत्यय लगाकर नए शब्द लिखिए?

उत्तर– परेशान + ई = परेशानी

पहाड़ + ई = पहाड़ी

खेत + ई = खेती

गरीब + ई = गरीबी

अमीर + ई = अमीरी

नरम + ई = नरमी

चित्रकार + ई = चित्रकारी

© JCERT not to be republished

गतिविधि

शिक्षक, नुक्कड़ नाटक के द्वारा 'डायन' एक अंधविश्वास के मुद्दे को समाज में स्कूल क्षेत्र के आस – पास प्रदर्शन हेतु कक्षा 8 के बच्चों को तैयार कर जागरूकता लाने का प्रयास कर सकते हैं।

उत्तर पत्रक

वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर– (गद्यांश – 1)

1. – (क) – बॉस

2. – (घ) – डायन एक अंधविश्वास

3. – (क) – कविता

4. – (घ) – डॉ. दीनानाथ सिंह

5. – (घ) – 'ख' और 'ग' दोनों

6. लिंग बदलें :–

(क) औरत – आदमी

(ख) बूढ़ी – बूढ़ा

(ग) पति – पत्नी

(घ) मजदूर – मजदूरन

(ङ) पुत्र – पुत्री

वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर– (गद्यांश – 2)

7 (क) बच्चे

8 (ग) 75 वर्ष

9. (ख) भीख माँगकर

© JCERT not to be republished

10. (क) टूट गए थे।

(ख) चिपट गए थे।

(ग) 75 बरस में।

(घ) भीख माँगने लग गई।

वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर – (गद्यांश – 3)

11. (क) कहानियाँ।

12. (ख) विवाह नहीं किया।

13. (ख) ससुराल

14.

हाथ	–	हस्त, कर, पाणि
मुख	–	मुँह, मुखड़ा, आनन
डर	–	भय, खौफ, दहशत
नैहर	–	मायका, पीहर, लड़की के माँ–बाप का घर
ससुराल	–	वधू के पति के माँ बाप का घर

वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर – (गद्यांश –4)

15. (घ) ये सभी

16. (घ) सभी पर

17. (घ) उपर्युक्त सभी बातें की जाती हैं।

18. कवि ने पढ़े – लिखे, ज्ञानी – विज्ञानी गाँव के लोगों को अज्ञानी इसलिए कहा है कि – वे 21वीं सदी में भी औरत को औरत, माँ बहन, बेटी, पत्नी सच्ची मित्र न मानकर डायन कहकर प्रताड़ित कर रहे हैं। कुछ लोग अभी भी भूत – प्रेत जादू–टोना डायन आदि अंधविश्वासों से घिरे हैं।

वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर – (गद्यांश – 5)

19. (क) विचारों को

© JCERT not to be republished

20. (ग) 'क' और 'ख' दोनों में

21. (घ) ये सभी

22. (क) समाज में जागरूकता का अभाव, कुछ ठग और लालची तांत्रिकों के शिकंजे / पकड़ के कारण, जमीन या संपत्ति हड़पने की लालसा तथा अकेली, परित्यक्ता, विधवा, असहाय और किसी भी कारण से अकेली रह रही महिला का आर्थिक रूप से कमजोर होना यही डायन जैसे अंधविश्वास या कारण है। इस अंधविश्वास को जागरूकता, दण्ड विधान तथा पढ़े – लिखे लोगों को अपनी सोच में बदलाव लाकर दूर किया जा सकता है।

(ख) बूढ़िया मेहनती और चरित्रवान स्त्री थी। वह धैर्यशाली और पतिपरायण स्त्री थी। पति की उसकी जवानी में ही मृत्यु हो गई थी। दूसरा विवाह उसने नहीं रचाया और मजदूरी करके ससुराल में रहकर अपना पेट पालती रही। वह विधवा स्त्री वास्तव में सबला थी। मजबूर थी आर्थिक रूप से कमजोरी ने उसे भिक्षा माँगने पर मजबूर कर दिया। मजबूरी और गरीबी ने उसके चेहरे को खराब कर दिया था।

(ग) पति के देहांत के बाद वह बूढ़िया औरत मजदूरी करके अपना गुजारा कर रही थी लेकिन उम्र 75 बरस की हो गई तथा गरीबी और समाज के उलाहनों ने लाचार कर दिया अब वह भीख माँगने के लिए मजबूर हो गई क्योंकि उसके घर में पैसे कमाने वाला कोई नहीं था वह वृद्धा अवस्था में मजदूरी करने में असमर्थ थी।

(घ) बुढ़िया गरीबी और असमय ही पति एवम् पुत्र की मृत्यु से दुखी थी। उसके पास मजदूरी के अलावा कोई चारा नहीं था। 75 वर्ष तक उसका शरीर भी गुजारा खर्च चलाने के लिए मजदूरी न कर सका। उसका रंग, रूप, चेहरा खराब होता गया। लोग अंधविश्वास के कारण और कुछ बुढ़िया की त्रासद जीवन को देखकर 'डायन है' भागो ऐसा कहने लगे और डायन कहकर उससे दूरी बनाने लगे।

23. (क) ये पंक्तियाँ आठवी कक्षा हिन्दी की भाषा मंजरी किताब से, 'डायन एक अंधविश्वास' कविता से ली गई है जिसमें कवि डॉ. दीनानाथ सिंह कहते हैं कि – बुढ़िया औरत मेहनत मजदूरी करके अपने ससुराल में रह गई। पति और नवजात बेटे की मौत के बाद भी मायके के शरण में नहीं गई। ससुराल वालों की इज्जत बनाए रखी लेकिन उसे क्या मिला अपने ही पति के गाँव में डायन कहलायी गई। उलाहने दिए गए।

(ख) कवि इन पंक्तियों में कहते हैं कि – आज हम ज्ञान–विज्ञान की तरक्की कर लिए हैं। 21वीं शताब्दी में जी रहे हैं। लेकिन पढ़े – लिखे होकर भी हम एक औरत जो हमारी माँ है, बेटी है, पत्नी, प्रेयसी, मित्र है उसकी प्रशंसा और सम्मान न करके उसे उसके मजबूरी के दिनों में **डायन** कहकर स्त्री जाति का उपहास कर रहें हैं यह सरासर गलत

© JCERT not to be republished

विचारधारा है और विचार, सोच आदि को शुद्ध परिष्कृत करके बदलना होगा। स्त्रियों को सम्मान देना होगा।

24. (क) 2001 से प्रभावी है।

(ख) पढ़ – लिखकर समाज में जागरूकता फैलाएँगे। पहले घर की ही माँ, बहन, बेटी को उचित सम्मान देंगे तब बाहर अपने समाज में सभी महिलाओं का आदर कर पाएँगे। गरीब, असहाय वृद्ध महिला को कोई डायन कहकर प्रताड़ित करे तो उसका विरेध करेंगे। उस निःसहाय महिला की मदद करेंगे जरूरत पड़े तो पुलिस का सहयोग लेंगे। समाज के अनुभवी बुद्धिमान लोगों द्वारा इस तरह के कार्यों में आगे आने के लिए तथा डायन प्रथा का जड़ से निराकरण करने के लिए आग्रह करेंगे।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

25. बूढ़ी औरत गरीबी और अपनी जवानी में ही पति और पुत्र को खोकर दुःखी थी। उसके गाल चिपटे हो गए थे। कंकाल सी दिखती थी, उसकी कमर टेढ़ी हो गई थी, दाँत उसके टूट गए थे और गाँव के लोगों ने अंधविश्वास फैला दिया था कि वह **डायन** है गाँव में कोई बीमार हो या किसी की मृत्यु हुई उसकी दोषी वही है। यह सारी बातें हैं जिनके वजह से बच्चे बुढ़ी औ. रत को देखकर डरने लगे थे। 75 वर्ष की उम्र में अब वह अकेली महिला अपना गुजारा खर्च चलाने के लिए भीख माँगने लगी क्योंकि घर पर कमाने वाला कोई नहीं था और उसका शरीर मजदूरी करने लायक नहीं रहा।

26. 'डायन' कहकर गाँव के लोग उसके साथ बहुत बुरा व्यवहार करने लगे। भीख की अठन्नी भी फेंक कर देते थे। गाँव – घर में किसी की मौत हो या कोई बीमार हो तो उसका इलजाम भी उसपर लगा देते थे। वह जिस रास्ते से गुजरती लोग उसे डायन है कहते। यह किसी भी महिला का अपमान है उसके प्रति किया गया अपराध है।

27. विचार क्रांति, दण्ड विधान को कारगर करके स्वयं सहायता और सामाजिक कार्यकर्त्ताओं द्वारा समाज में जागरूकता लाकर 'डायन' जैसी कुप्रथा का अन्त किया जा सकता है। सबसे पहली शुरूआत अपने घर – परिवार और मुहल्ले की औरतों को औरत होने का सम्मान देकर की जा सकती है।

© JCERT not to be republished

कार्य	महत्व
(क) खाना पकाना	सभी को स्वादिष्ट और पोषक भोजन मिलता है।
(ख) बर्त्तन धुलाई	हमें समय पर साफ– सुथरे बर्त्तनों में खाना मिलता है।
(ग) कपड़ों की सफाई	हमें विद्यालय जाने और घर पर भी पहनने के लिए समय से साफ – सुथरे कपड़े मिल जाते हैं।
(घ) बुर्जुगों और बच्चों की देख रेख और सेवा	घर की महिलाएँ इस काम को बहुत अच्छे से करती हैं परिवार में खुशियाँ और सभी का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। घर के पुरूष बिना तनाव के बाहरे कार्यों को कर पाने में समर्थ हो पाते हैं।

© JCERT not to be republished